



# भारत का राजस्मृति 1979

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ४०] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर ६, १९७९ (आस्विन १४, १९०१)

No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 6, 1979 (ASVINA 14, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## विषय-सूची

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)  
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम  
न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों  
विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से  
सम्बन्धित अधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर)  
भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम  
न्यायालय द्वारा जारी की गई संरक्षकारी  
अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों,  
छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की  
गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों  
और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की  
गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों,  
छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

भाग II—खण्ड 1—अधिनियम, अध्यादेश आदि  
विनियम

भाग II—खण्ड 2—विषेषक और विषेषकों संबंधी  
प्रवर समितियों की रिपोर्टें

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय  
को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों  
और (संघ गवर्नर ऑफ़ के प्रशासनों  
को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा  
जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और

## पृष्ठ

## पृष्ठ

जारी किए गए भारतीय नियम (जिसमें  
साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम  
आदि सम्मिलित हैं) . . . .

2313

551

भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय  
को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों  
और (संघ राज्य थेट्रों के प्रशासनों को  
छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि  
के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए  
आदेश और अधिसूचनाएं

2761

1253

भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधि-  
सूचित विधिक नियम और आदेश

351

—

भाग III—खण्ड 1—महाब्राह्मीत्र, संघ लोक  
सेवा आयोग, रेल व्यापार, उच्च मंत्रालयों  
और भारत सरकार के अध्येत्र तथा संलग्न  
कार्यालयों द्वारा जारी गई अधिसूचनाएं

7667

881

भाग III—खण्ड 2—द्रक्षय क वर्जित, कलकत्ता  
द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस

5581

—

भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या  
उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं

—

—

भाग III—खण्ड 4—विधिक नियमों द्वारा जारी  
की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधि-  
सूचनाएं, आदेश, विनाशन और नोटिस  
शामिल हैं . . . .

2255

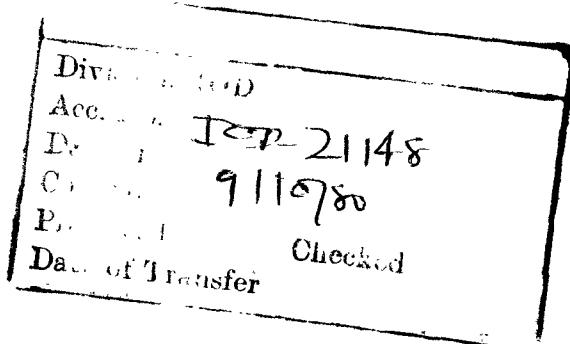
(551)

भाग IV—गैर वरकारी अधिकारियों और गैर-  
वरकारी संस्थाओं के विनाशन तथा नोटिस

131

## CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notification relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. ..	PAGE 551	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	PAGE 2313
<b>PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. ..</b>	<b>1253</b>	<b>PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories ..</b>	<b>2761</b>
<b>PART I—SECTION 3.—Notifications relating to non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence .. .. ..</b>	<b>—</b>	<b>PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..</b>	<b>351</b>
<b>PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence .. .. ..</b>	<b>881</b>	<b>PART III—SECTION 1.—Notification issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. .. ..</b>	<b>7667</b>
<b>PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations. .. .. ..</b>	<b>—</b>	<b>PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..</b>	<b>5581</b>
<b>PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills .. .. ..</b>	<b>—</b>	<b>PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .. ..</b>	<b>—</b>
<b>PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India</b>	<b>—</b>	<b>PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .. ..</b>	<b>2255</b>
		<b>PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. ..</b>	<b>131</b>



## भाग I—खण्ड 1

## PART I—SECTION 1

(रक्षा भंदालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा आरो की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

## गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

## नियम

नई विस्तीर्णी, विसंक 6 अक्टूबर, 1979

का० सं० 12/6/79-के० स० II—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1980 में निम्नविवित सेवाओं/पदों की अस्थायी रिक्तियों में नियुक्ति के लिए आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जाते हैं :—

- भारतीय विदेश सेवा (ख) — (आशुलिपिक उप-संघर्ष का घोष-II)
- केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा घोष-ग (इस घोष की व्यवस्थी में भन्निलित करने के लिए !)
- संशक्त मेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा—घोष ग और
- भारत सरकार के कुछ अन्य विभागों/संगठनों तथा संघध कार्यालयों में आशुलिपिकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा ख/रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा/केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक मेना/संशक्त सेवा मुख्यालय आशुलिपिक मेना में भन्निलित नहीं है।

1. उपर्युक्त सेवाओं/पदों में से किसी एक या एक से अधिक से संबंधित परीक्षा में प्रवेश के लिए कोई भी उम्मीदवार आवेदन कर सकता है। वह इनमें से जितभी सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक है, उनका उल्लेख अपने आवेदन-पत्र में कर सकता है।

नोट 1—उम्मीदवारों को चाहिए कि वे जिन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हों, उनका वरीयता क्रम स्टॉप रूप से लिख दें।

उम्मीदवारों द्वारा निर्दिष्ट उन सेवाओं/पदों के वरीयता क्रम में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अन्य रोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक ऐसा अनुरोध लिखित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख से 30 दिन के अन्दर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता।

नोट 2—इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले कुछ विभागों/कार्यालयों को केवल अंग्रेजी आशुलिपिकों की ही आवश्यकता होती है और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्मीदवारों में से की जाती है जिन्हें लिखित परीक्षा तथा अंग्रेजी के आशुलिपिक परीक्षण के आधार पर आयोग द्वारा अनुसूचित किया जाता है (इष्ट्यव्य: नियमावली के परिशिष्ट I का देखा 4)।

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा आरो किए गए भोक्तिस में बताई जाएगी। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए पद सरकार द्वारा नियित रिक्तियों को देखने हुए आरक्षित रखे जाएंगे।

अनुसूचित जातियों/जन जातियों से अधिकार्य निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक से है :—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जाति), आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951 (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित

जन जाति) सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्व धोका (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा (यथासंशोधित) संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जाति आदेश, 1956, संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1959, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जनजाति आदेश 1964, संविधान (अनुसूचित जनजाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोआ, दमन और दीव) अनुसूचित जनजाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट। में निर्धारित रूप से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

4. (1) उम्मीदवार को या तो—

(क) भारत का नामांक द्वारा चाहिए, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐमा तिब्बती परणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से पहली जनजाती, 1962 से पहले भारत आ गया हो, य

(ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने के इरादे से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और कीनिया, उगांगा तथा तंजानिया तंसुक गणराज्य पूर्व अफ्रीका के देशों से या जांबिया मालवी, जेर, इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के अन्तर्गत आने वाले भारत गरकार द्वारा आरो किया गया प्राप्तता (एसिजिविसिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिए।

परन्तु यह और कि उपर्युक्त (ख), (ग) और (घ) के वर्गों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा (ख)—(आशुलिपिक उप-संघर्ष का घोष-II) में नियुक्ति के लिए पत्र नहीं होगे।

(2) परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी, जिसके लिए प्राप्तता प्रमाण पत्र आवश्यक हों, परीक्षा में बैठने विया जा सकता है गरम्भु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत मरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने पर ही विया जाएगा।

5. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का न हो या कीनिया, उगांगा और तंजानिया के संयुक्त गणराज्य का प्रवासी न हो या जांबिया, मलावी, जेर, और इथियोपिया से प्रवासीत भारत मूल का व्यक्ति हो उसे प्रतियोगिता में तीन से अधिक बार बैठने नहीं विया जायगा। यह प्रतिबन्ध वर्ष 1962 की परीक्षा के समय से लागू है।

नोट 1—इस नियम के प्रयोजन के लिए परीक्षा से अभियान है आशुलिपिक परीक्षा, आशुलिपिक (आपासकालीन कमीशन/अल्पकालीन कमीशन प्राप्त निर्मुक्त अधिकारी तथा भूतपूर्व सेविक) परीक्षा तथा आशुलिपिक (भूतपूर्व सेविक परीक्षा)।

नोट 2—यदि कोई उम्मीदवार एक या अधिक सेवाओं/पदों के प्रतियोगिता में बैठे हो इस नियम के प्रयोजन के लिए उस उम्मीदवार को परीक्षा के अन्तर्गत अनेकालीन सभी सेवाओं/पदों के लिए एक बार प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा जाना जाएगा।

नोट 3—किसी उम्मीदवार को प्रतियोगिता परीक्षा में बैठा तब जाना जाएगा, जब वह वास्तव में किसी एक या अधिक विषयों की परीक्षा में बैठा हो।

नोट 4—उम्मीदवार के परीक्षा में उपस्थित होने को उसके द्वारा सिया गया एक अवसर गिना जाएगा जाहे वह परीक्षा हेतु अयोग ठहरा दिया जाए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाए।

6. (क) इस परीक्षा में प्रयोग के लिए यह आवश्यक है कि उम्मीदवार की आयु 1 जनवरी, 1980 को पूरे 18 वर्ष की हो किन्तु उसकी आयु पूरे 25 वर्ष तक हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1955 से पहले और 1 जनवरी, 1962 के बाद न हुआ हो।

(ख) उन व्यक्तियों के संबंध में ऊपरी सीमा में 35 वर्ष की आयु तक छूट दी जा सकती है जो, संष्ठ राज्य क्षेत्रों के प्रणालीतों अथवा निर्वाचित आयोग तथा केन्द्रीय सतर्कता आयोग और लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय के अधीन व्यक्तियों सहित, भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों में आशुलिपिक (जिनमें भाषा आशुलिपिक भी शामिल है) लिपिकों/आशु टकों के पदों पर नियमित रूप से नियुक्त हैं और 1 जनवरी 1980 को जिन्होंने आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक रामत) निपिकों/आशुटंकों के रूप में कम से कम तीन वर्ष नियन्त्रित सेवा की है तथा उक्त पदों पर तभी तक काम कर रहे हैं।

परन्तु उपर्युक्त आयु संदर्भों के छूट उन व्यक्तियों को नहीं दी जाएगी जो संष्ठ लोक सेवा आयोग द्वारा पहले सी गई परीक्षाओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी में आशुलिपिकों के रूप में नियुक्त किए जा रहे हैं।

- (i) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग, या
- (ii) रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग, या
- (iii) भारतीय विदेश सेवा (ख) आशुलिपिक उप-संचरण का ग्रेड II या
- (iv) संशस्त्र सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा ग्रेड-ग

नोट 1—इसके बारे में विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों में नियुक्त रेस डाक छाटाइकारों द्वारा की गई सेवा उपर्युक्त नियम 6(अ) के प्रयोजन के लिए लिपिक के ग्रेड में की गई सेवा सारी जाएगी।

नोट 2—रक्षा प्रतिष्ठानों में नियुक्त सेवा निपिकों द्वारा की गई सेवा उपर्युक्त नियम 6(अ) के प्रयोजन के लिए तभी गिनी जाएगी।

- (ग) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में और दो दी जा सकती है—
  - (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।
  - (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पूर्व पाकिस्तान (जब बंगला देश) का भास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।
  - (iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्व पाकिस्तान (जब बंगला देश) का भास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सबभावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो और श्रीलंका से सबभावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रव्रजन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष तक।

(vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रव्रजन किया हो या जाविया, मलाबी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से सबभावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से सबभावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रव्रजन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(ix) किसी दूसरे देश के साथ संधर्ष में या किसी ग्रांडांतिग्रास्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से नियुक्त किए गए रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(x) किसी दूसरे देश के साथ संधर्ष में या किसी ग्रांडांतिग्रास्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से नियुक्त किए गए सीमा-मुख्या दल के रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(xi) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संधर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से नियुक्त सीमा-मुख्या दल ने उन रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, अधिक से अधिक तीन वर्ष तक।

(xii) वर्ष 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच संधर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से नियुक्त सीमा-मुख्या दल ने उन रक्षा कार्मिकों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के हों, अधिक से अधिक आठ वर्ष तक।

(xiii) यदि कोई उम्मीदवार भास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः/भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पारपत हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास विषयनाम में भारतीय राजद्रुतावास द्वारा जारी किया गया भाषातकाल का प्रभाण-पत्र है, और जो विषयनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत मही आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।

जार की गई व्यवस्था को छोड़कर, निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

ज्ञान दें : (i) जिस उम्मीदवार को नियम 6(ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश दे दिया गया हो उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन-पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा भेजने के बाद सेवा से ल्यागपत्र दे देता है या विधायक द्वारा उसकी सेवाएँ गमाल कर दी जाती हैं। किन्तु आवेदन-पत्र भेजने के बाद यदि उसकी सेवा या पद से छंटनी हो जाती है तो वह पात्र बना रहेगा।

(ii) ऐसा आशुलिपिक (भाषा आशुलिपिक सहित)/सिपिक/आशुलिंगक जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से संबंध वाले पदों पर प्रतिनियुक्ति पर है अथवा जिनसे किसी अन्य पद पर स्थानान्तरित कर दिया गया है परन्तु उसका धारणाधिकार उस पद पर है जिससे वह स्थानान्तरित किया गया था, यदि वह ग्रन्थाता पात्र है परीक्षा में बैठने का पात्र होगा।

7. उम्मीदवारों ने भाग्य के केन्द्र या राज्य विधान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा नियमित किसी विषयविशालय की मैट्रिक परीक्षा अवश्य पास की हो, अथवा उसके पास किसी राज्य के शिक्षा बोर्ड के द्वारा माध्यमिक स्कूल की संक्षिप्त अनुमति प्राप्ति कर दिया गया है तब उम्मीदवारों के स्कूल सीरिंग, माध्यमिक स्कूल हाई स्कूल परीक्षा या कोई और प्रमाण-पत्र हो जो राज्य सरकारों की नौकरी में प्रवेश के लिए मैट्रिक के प्रमाण-पत्र के समकक्ष हो।

नोट 1—कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा दे दी है जिसके पास फर्मे पर वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षा कल की सूचना नहीं मिली है तब ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्हता परीक्षा में बैठने का इच्छुक है, आयोग की परीक्षा प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा।

नोट 2—विशेष परिस्थितियों में संबंधीक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है, जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता नहीं, जिसने कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा नी गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका स्तर आयोग के मतानुसार ऐसा हो जिसके आधार पर उम्मीदवार को उसके परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

8. जो सभी उम्मीदवारों, वहों से सभी नौकरी में, आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इनर स्थायी या स्थायी हैं यिनमें से या कार्य प्रभागित कर्मचारियों की हेसियत से काम कर रहे हों, को यह परिवर्तन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या आपात्तता के बारे में आयोग का निर्णय अनिवार्य होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश पत्र (मर्टिफिकेट ऑफ एडमीशन) न हो।

11. उम्मीदवार को आयोग के नोटिस के पैरा 7 में निर्धारित कीमत देनी होगी।

12. जिस उम्मीदवार ने

- (i) किसी भी प्रकार से भपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (ii) नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- (iii) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा,
- (iv) जाली प्रमाण-पत्र या ऐसे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगड़ा गया हो, अथवा

- (v) गनत या भूते वकाय दिए हैं या किसी मनूष्यपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (vi) परीक्षा में प्रवेश दाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहाया किया है, अथवा
- (v.i) परीक्षा के समय अनुचित साधनों द्वारा प्रयोग किया हो, या
- (v.ii) उत्तर पुस्तकाओं पर अवरंगत चारों लिखी हैं जो असली भाषा में या अप्रृष्ट आवश्यक हों, या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दृश्यवहार किया हो, या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कार्यवाचियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो,
- (xi) उपर्युक्त छढ़ों में इल्लिक्षित गमी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग का अवधेतरित बरतने का प्रत्यन किया हो, तो उस पर आपगमिक अभियोग (क्रिमिल आपसीक्षण) चलाया जा सकता है और उनके साथ ही उस—
- (k) आयोग द्वारा उस परीक्षा में जितना वह उम्मीदवार है बैठने के लिए आयोग ठहराया जा सकता है, अथवा
- (l) उसे अस्थापनी रूप से अवधा एक विशेष अवधि के लिए (i) आयोग द्वारा नी जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा ज्यन के लिए।
- (m) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विशेष उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

13. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अंतिम रूप से दिए गए कुल प्राप्तियों के अधार पर उनके योग्यता कम के अनुमान उनके नामों की सूची बनाएगा और उस कम के अनुमान आयोग उन परीक्षा में जितने उम्मीदवारों को अर्हता प्राप्त समझेगा, उनके नाम प्रयोगित संख्या तक केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा द्वारा ( ) के मेड ग की चयन सूची में सम्मिलित करते के लिए और इन परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली अन्य सेवाओं/पदों में अनारकित रिक्तियों में नियुक्ति के लिए अप्रेक्षित संख्या तक के नामों की अनुशासनी की जाएगी।

परन्तु यदि मामात्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन-जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों प्रथम अनुसूचित जन-जातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकते हों, तो आरक्षित कोटा में किसी दूसी करने के लिए आयोग द्वारा नाम से छूट देकर, जाहे परीक्षा के योग्यता कम में उनका कोई भी सूचना हो, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा के मेड ग की चयन सूची में सम्मिलित करते के लिए अनुशासनिक किए जा सकेंगे बताते ही कि ये उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिए उपयक्त हों।

14. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं को द्यान में रखते हुए परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करते समय उम्मीदवार द्वारा आवेदन पत्र में विशेष सेवाओं/पदों के लिए बनाए गए वरीयता कम पर उचित द्यान दिया जाएगा (इस्तेमाल की आवेदन-पत्र का कालम 14)।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा परिणाम की सूचना किम रूप में भरी किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग परीक्षा परिणाम के बारे में उनसे कोई पत्र अवधार नहीं करेगा।

16. परीक्षा में पास होने वाले से नियुक्ति का अधिकार सब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जाल के बारे गत्तुपट न हो जाए कि उम्मीदवार चार्टर नाम पूर्व वृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

## 17. जिस व्यक्ति ने

(क) ऐसे व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहने हुए, किसी व्यक्ति से विवाह या विवाह अनुबन्ध किया है।

तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से मन्युष्ट हो जाए कि ऐसा विवाह, ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सूक्ष्म के दूसरे पक्ष पर सागू होने वाले व्यक्तिका कामूल के अनुमान स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं, तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक वृच्छा से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा आरोग्यिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पद के अधिकारी के रूप में घपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सक्रम अधिकारी द्वारा विहित डाक्टरी परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हुआ कि वह इन शर्तों को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा की जाएगी जिसकी नियुक्ति के संबंध में विवाह यदि आने की संभावना हो।

**नोट**—भूतपूर्व रक्षा सेवा के विकलांग कानिकों के संबंध में रक्षा सेवा के डिमोबोलाइजेशन मेडिकल बोर्ड द्वारा किया गया स्वत्त्वता प्रमाण-पत्र नियुक्ति के लिए पर्याप्त समझा जाएगा।

19. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिए भर्ती की जा रही है उसके संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट II में दिए गए हैं।

के० बी० नायर,  
अवर सचिव

परिशिष्ट I

1. परीक्षा के विषय, प्रत्येक विषय के लिए दिया गया समय तथा पूरीकृत इस प्रकार होगे :—

भाग-क—लिखित परीक्षा

विषय	दिया गया समय	पूरीकृत
(i) सामान्य अंग्रेजी	. . . 2 घण्टे	100
(ii) निबन्ध	. . . 2 घण्टे	100
(iii) सामान्य ज्ञान	. . . 2 घण्टे	100

**भाग ख—हिन्दी या अंग्रेजी में आशुलिपिक परीक्षा** (लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वालों के लिए) — 300 अंक

**नोट**—उम्मीदवारों को घपने आशुलिपिक नोट टंकण भर्ती पर लिप्यन्तर करने होंगे, और इस प्रयोजन के लिए उन्हें घपनी टंकण भर्ती लानी होती।

2. सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों में वस्तुपूरक प्रकार के प्रश्न होंगे; प्रश्नों के नमूने साहूत विवरण के लिए परिशिष्ट III पर उम्मीदवारों के लिए सूचना पुस्तिका देखिए।

3. लिखित परीक्षा के लिए पाठ्य विवरण तथा आशुलिपि परीक्षाओं की योजना उस परिशिष्ट की संलग्न अनुसूची के अनुसार होगी।

4. उम्मीदवारों को प्रश्न पत्र (ii) "निबन्ध" और प्रश्न पत्र (iii) "सामान्य ज्ञान" का उत्तर हिन्दी (देवनागरी) या अंग्रेजी में देने की छूट है। यह छूट पूर्ण प्रश्न पत्रों के लिए सागू होगी त कि उनके किसी भाग के लिए और यह छूट उपर्युक्त दोनों प्रश्न पत्रों के लिए समान है।

जिन उम्मीदवारों ने निबन्ध के प्रश्न पत्र का उत्तर देने के लिए हिन्दी (देवनागरी) का विकल्प लिया है, यदि वे चाहें, तो कोष्टकों में तकनीकी शब्दों को हिन्दी में लिखने के साथ उनका अंग्रेजी रूपान्तर कोष्टकों में लिख दें।

जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न-पत्र के उत्तर हिन्दी (देवनागरी) में लिखने का विकल्प देंगे उन्हें आशुलिपि की परीक्षा भी केवल हिन्दी (देवनागरी) में ही देनी होगी और जो उम्मीदवार उपर्युक्त प्रश्न-पत्र के उत्तर अंग्रेजी में लिखने का विकल्प देंगे उन्हें आशुलिपि की परीक्षा भी केवल अंग्रेजी में ही देनी होगी।

निबन्ध और सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्र हिन्दी और अंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे।

**नोट 1**—जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में निबन्ध के प्रश्न (ii) तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्र (iii) का उत्तर तथा आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देने के इच्छुक हों, तो यह विकल्प शावेदान पत्र के कालम 19 में लिखें। अन्यथा यह माना जायेगा कि उम्मीदवार लिखित परीक्षा तथा आशुलिपि परीक्षा अंग्रेजी में देंगे।

एक बार दिया गया विकल्प अंतिम समझा जाएगा और उक्त कालम में कोई परिवर्तन करने का अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

**नोट 2**—जो उम्मीदवार आशुलिपिक परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प देंगे उन्हें अंग्रेजी आशुलिपिक और जो आशुलिपिक परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प देंगे उन्हें हिन्दी आशुलिपि नीयुक्ति के बाब सीखनी होगी।

**नोट 3**—जो उम्मीदवार उपर्युक्त पत्र 4 के अनुसार विवेशों में स्थित विवेशों में परीक्षा देना चाहते हैं और निबन्ध के प्रश्न-पत्र (ii) का उत्तर तथा आशुलिपि परीक्षा हिन्दी में देना चाहते हैं, उन्हें अपने निजी व्यय पर आशुलिपि परीक्षाएं विवेश में किसी भारतीय भिन्न में, जहाँ ऐसी परीक्षाएं देने के लिए आवश्यक प्रबंध हों, परीक्षा देनी होगी।

5. लिखित परीक्षा का प्रश्न-पत्र (i) सामान्य अंग्रेजी केवल अंग्रेजी में ही तैयार किया जाएगा और सभी उम्मीदवारों द्वारा अंग्रेजी में ही उत्तर दिए जाएंगे।

6. जो उम्मीदवार 120 अंक प्रति मिनट भाले भूतलेब में न्यूनतम अर्हता प्राप्त कर लेंगे उन्हें 100 अंक प्रति मिनट भाले भूत लेख में वही स्तर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों के क्रम में ऊंचा रखा जाएगा। प्रत्येक पूर्ण में उम्मीदवारों की प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों के अनुसार पारस्परिक प्रवक्षा अनुक्रम में रखा जाएगा (इन्डिक्यूटिव निम्नलिखित अनुसूची का भाग अ)।

7. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हात लम्बात में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता देने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

8. आयोग अपने नियंत्रण से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्द्धक अंक निर्धारित कर सकता है।

9. केवल उन्हीं उम्मीदवारों को आशुलिपिक परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा जो आयोग की विकास के अनुसार न्यूनतम अर्हता अंक प्राप्त कर लेंगे।

10. केवल सतही ज्ञान के लिए अंक नहीं दिए जाएंगे।

11. अस्पष्ट लिखावट के कारण, लिखित विषयों में पूरीकृत में से 5 प्रतिशत अंक काट दिए जाएंगे।

12. निबन्ध के प्रश्न-पत्र की परीक्षा में कम से कम शब्दों में, कम-बढ़, प्रभावपूर्ण वर्ग में और ठीक-ठीक की गई साक्षात्प्रविष्टि को विशेष महत्व दिया जाएगा।

मनुसूची

भाग क

## लिखित परीक्षा का स्तर और पाठ्य विषय

**नोट—भाग 'क'** के प्रश्न-पत्रों का स्तर लगभग वही होगा जो किसी **भारतीय विद्यविद्यालय** की मेट्रिक्युलेशन परीक्षा का होता है।

**सामान्य अंग्रेजी :**—यह प्रश्नपत्र इस ढंग से तैयार किया जाएगा कि इसमें उम्मीदवारों के अंग्रेजी व्याकरण और निबन्ध रचना के ज्ञान को तथा अंग्रेजी भाषा को समझने और शृंखलाएँ की उनकी व्याप्ति की जांच हो जाए। इस प्रश्न-पत्र में शब्दों के गुण प्रयोग, आसान मूहावरों और अध्यय (प्रोपीज़िशन), डायरेक्ट और इनडायरेक्ट स्पीच आदि शामिल किए जा सकते हैं।

**निबन्ध:**—उम्मीदवारों के दो प्रकरणों पर निबन्ध लिखाना होगा। विषय चुनने की छुट दो जाएगी। उनमें यह आशा की जाएगी कि वे अपने विचार अवस्थित रूप से निवन्ध के विषय के सम्बन्ध में ही संक्षिप्त रूप से लिखेंगे। प्रभावपूर्ण ढंग से तथा ठीक-ठीक भाव अवस्थ करने वाली को अन्य दिया जाएगा।

**सामान्य ज्ञान :**—निम्नलिखित विषयों की ओर बहुत जानकारी:—

भारत का संविधान, पंचवर्षीय योजनाएँ, भारतीय दृष्टिभौतिकीय और संस्कृति, भारत का सामान्य और आर्थिक भूगोल, वर्तमान घटना क्रम, सामान्य विज्ञान और दिन प्रसिद्धि नजर आने वाली ऐसी बातें जिनकी जानकारी पक्षे विषय अधिकता को होनी चाहिए। उम्मीदवारों के उत्तरों से यह प्रकट होना चाहिए कि उन्होंने प्रश्नों को अच्छी तरह से समझा है। उनके उत्तरों में किसी पाठ्यपुस्तक के अधीरेवार ज्ञान की अपेक्षा नहीं की जाती है।

## भाग च

## आशुलिपि परीक्षा की योजना

आशुलिपि परीक्षाओं की योजना अंग्रेजी में आशुलिपि की परीक्षाओं में दो श्रुतेष्व परीक्षाएँ होंगी। एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिए और दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिए जो उम्मीदवारों को क्रमशः 45 तथा 50 मिनटों में लिप्यन्तर करने होंगे।

हिन्दी में आशुलिपि की परीक्षाओं में दो श्रुतेष्व परीक्षाएँ होंगी। एक 120 शब्द प्रति मिनट की गति से सात मिनट के लिए और दूसरी 100 शब्द प्रति मिनट की गति से दस मिनट के लिए जो उम्मीदवारों को क्रमशः—60 तथा 65 मिनटों में लिप्यन्तर करने होंगे।

## परिशिष्ट II

उन सेवाओं/पदों से सम्बंधित संक्षिप्त विवरण जिनके

लिए इस परीक्षा द्वारा भर्ती की जा रही है

क—केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा।

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा में इन समय निम्नलिखित चार प्रेड हैं:—

**प्रेड-क:** रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

**प्रेड-ख:** रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040-

**प्रेड-ग:** रु० 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800।

**प्रेड-घ:** रु० 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

प्रेड-ख से प्रेड-क में पदोन्नत हए व्यक्तियों का वेतन इस वेतनमान में व्यूनतम रु० 775/ पर निर्धारित कर दिया गया है। प्रेड-ग में पदोन्नत होने वाले व्यक्तियों का वेतन इस वेतनमान में सप्त रु० 710/ पर निर्धारित किया जाएगा।

(2) उक्त सेवा के प्रेड-ग में नियुक्त व्यक्ति दो वर्ष तक परिवीक्षाधीन रहेंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़े सकती हैं और परीक्षाएँ देनी पड़ सकती हैं।

(3) परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर सरकार सम्बन्धित व्यक्ति को उसके पद पर स्थायी कर सकती है या यदि उसका कार्य अध्या आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा में निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा अवधि जितनी और बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(4) सेवा के प्रेड-ग में भर्ती किए गए व्यक्तियों को केन्द्रीय सचिव वालय आशुलिपिक सेवा योजना में भाग लेने वाले मंत्रालयों या कार्यालयों में से किसी एक में नियुक्त कर दिया जाएगा। किन्तु उसकी किसी भी समय किसी भी ऐसे अन्य मंत्रालय या कार्यालय में बदली हो सकती है।

(5) सेवा के प्रेड-ग में भर्ती किए गए व्यक्तियों में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार अग्रणी उच्चतर प्रेड में पदोन्नति किए जाने के पात्र होंगे।

(6) जिन लोगों की नियुक्ति सेवा के प्रेड-ग में उनके अपने विकल्प के अनुसार की जाएगी, ये उस नियुक्ति के पश्चात् भारतीय विवेश सेवा (ख) के संबंध अध्या रेल बोर्ड सचिवालय सेवा योजना में शामिल किसी पद पर स्थानान्तरण या नियुक्ति का दावा न कर सकेंगे।

(ख) भारतीय विवेश सेवा (ख)—आशुलिपिकों का उपसंचर्य।

भारतीय विवेश सेवा (ख) आशुलिपिकों के उप संचर्य में इस समय निम्नलिखित चार प्रेड हैं:—

**चयन प्रेड :**—रु० 775-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200।

**प्रेड-I :**—रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040।

**प्रेड-II :**—रु० 425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800।

**प्रेड-III :**—रु० 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560।

(प्रेड-ग से पदोन्नत होने वाले व्यक्तियों का वेतन इस वेतनमान में व्यूनतम रु० 710/ पर निर्धारित किया जाएगा।)

2. इस सेवा के प्रेड-ग में भर्ती किए गए व्यक्ति दो वर्ष की परिवीक्षा पर होंगे। इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करने पड़े सकते हैं और परीक्षाएँ देनी पड़ सकती हैं। परिवीक्षा की अवधि पूरी होने पर यदि उनमें से किसी का कार्य आचरण सरकार की राय में असंतोषजनक रहा हो तो उसे सेवा से निकाला जा सकता है या सरकार उसकी परिवीक्षा अवधि जितनी और बढ़ाना उचित समझे बढ़ा सकती है।

3. भारतीय विवेश सेवा (शाखा ख) आशुलिपिकों के उप संचर्य-II में नियुक्त अधिकारी, भारतीय विवेश सेवा शाखा-ख (आर० सी० एस० पी०) नियमावली 1954, भारतीय विवेश सेवा (पी० एन० सी० ए०) नियमावली 1961 जो भारतीय विवेश सेवा 'ख', के अधिकारियों पर लागू की गई है तथा वे नियम और आदेश जो भारत सरकार द्वारा उन पर लागू किए जाएंग द्वारा शासित होंगे।

4. भारतीय विवेश सेवा शाखा (ख) विवेश भूक्तालय और विवेश में भारतीय मिशनों तक ही सीमित हैं। इस सेवा में नियुक्त अधिकारी वाणिज्य भूक्तालय को छोड़कर सामान्यतया अन्य भूक्तालयों में स्थानान्तरित

नहीं किए जा सकेंगे। परन्तु वे विवेशों में अन्य गवालयों में निर्मित पदों पर तथा अन्तर्राष्ट्रीय आयोगों आदि में भी नियुक्त किए जा सकते हैं। वे भारत में तथा भारत के बाहर कहीं भी, उन स्थानों सहित जहाँ परिवार का कोई भी सदस्य माय नहीं रखना होता, सेवा पर भेजे जा सकते हैं।

5. भारतीय विवेश सेवा (ख) अधिकारियों का विवेशों में, उनके मूल वेतन के अतिरिक्त उस दर से विवेश भत्ता दिया जाएगा, जो संबद्ध वेशों के निवाह और आदि के आधार पर समय-समय पर स्वीकार किया जाए। इसके अतिरिक्त भारतीय विवेश सेवा (ख) के अधिकारियों के लिए लागू भारतीय विवेश मेवा (पी० एल० सी० प०) नियमावली, 1961 के अनुसार विवेश मेवा अवधि में निम्नलिखित रियायतें भी स्वीकार्य होती हैं :

- (i) सरकार द्वारा निर्धारित वेतनमात्र के अनुसार नि.शुल्क सुसज्जित आवास।
- (ii) सहायतार्थ चिकित्सा परिषर्वा योजना के अन्तर्गत चिकित्सा परिषर्वा सुविधाएँ।
- (iii) 8 और 21 वर्ष की आयु के बीच के अधिक से अधिक दो बच्चों के लिए जो भारत में पढ़ रहे हों अथवा एक बच्चा भारत में तथा दूसरा विवेश में अधिकारी की तैनाती से इतर किसी अन्य वेश में पढ़ रहा हो, कठियं शर्तों के अधीन आम मार्ग द्वारा चापसी यात्रा व्यथ। यदि सरकारी कर्मचारी के भारत में शिक्षा प्राप्त कर रहे 8 और 21 वर्ष की आयु के बीच दो से अधिक बच्चे हैं तो उसे विवेश में अपनी भाक्ति पिता के पास यात्रा करने वाले वे बच्चों के छठले ३५नी पर्याय की छुट्टियों के बीचारा भारत भजने का विकल्प होता। ऐसे किसी माले में सरकारी कर्मचारी की पत्नी सहती से उस्ती उपलब्ध श्रेणी से वायु मार्ग द्वारा चापसी यात्रा व्यय की हक्कार होती।
- (iv) सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दर से 5 से 18 वर्ष के अधिक से अधिक दो बच्चों का शिक्षा भत्ता।
- (v) विहित नियमों और समय-समय पर सरकार द्वारा निश्चित दरों के अनुसार विवेशों में सेवा करने के सम्बन्ध में सज्जाकरण भत्ता। भावारण सज्जाकरण भत्ते के अतिरिक्त असाधारण ठंडी जलवायु वाले देशों में नियुक्त अधिकारियों को विशिष्ट सज्जाकरण भत्ता प्राप्त होता।
- (vi) विहित नियमों के अनुसार अधिकारियों और उनके परिवारों को घर आने की छुट्टी का यात्रा किराया।

6. केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 जो समय-समय पर संशोधित किए गए हैं, कठियं शर्तों संशोधनों के अधीन इस सेवा के सबस्तों पर लागू होते हैं। ये अधिकारी कुछ पढ़ोसी देशों को छोड़कर विवेश सेवा में केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 के अधीन प्राप्त छुट्टियों के 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त छुट्टी जमा कर सकेंग।

7. उक्त अधिकारी जो भारत में होंगे, तो ऐसी रियायतों के हक्कार होंगे, जो घराबर तथा एक समान स्तर के अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए प्राप्त होते हैं।

8. भारतीय विवेश सेवा (ख) के अधिकारी सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय शिवाय) नियमावली, 1956 जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है, तथा उसके अन्तर्गत जारी किए गए आदेशों द्वारा शासित होते हैं।

9. इस सेवा में नियुक्त अधिकारी केन्द्रीय सिविल सेवा (वेंशन) नियमावली, 1972 जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है और इसके अन्तर्गत जारी किए गए आदेशों के द्वारा शासित होते हैं।

ग.—सशस्त्र सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा

सशस्त्र सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में इस समय निम्नलिखित चार ग्रेड हैं :—

1. ग्रेड क—आशुलिपिक (निजी सचिव) —मूल ख—राजपत्र (चयन ग्रेड)।

वेतनमात्र :—र० ६५०\* (७७५)\* . ३६-७४०-३५-८१०-द० र००-३५-८८०-४०-१०००-द० र००-४०-१२००।

\*ग्रेड ख से पदोन्नत किए गए अधिकारियों तथा न्यूनतम वेतन दिया जाएगा।

2. ग्रेड ख आशुलिपिक (वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक) —सूप ख—राज पत्रिस।

वेतनमात्र र० ६५० (७१०)†-३०-७४०-३५-८८०-द० र००-४०-१०४०।

\*ग्रेड ग से पदोन्नत किए गए अधिकारियों को न्यूनतम वेतन दिया जाएगा।

3. ग्रेड ग आशुलिपिक (वैयक्तिक सहायक) मूल ख—अराजपत्रित वेतनमात्र :र० ४२५-१५-५००-द० र००-१५-५६०-२०-७००-द० र००-२५-८००।

4. ग्रेड ग आशुलिपिक —ग्रेड ग।

वेतनमात्र : र० ३३०-१०-३८०-द० र००-१२-५००-द० र००-१५-५६०।

2. अस्थायी आशुलिपिक ग्रेड ग (वैयक्तिक सहायक) के रूप में सीधे भर्ती किए गए अवधिक दो वर्ष तक परिवीकाशीन रहेंगे। इस द्वारा यदि असंतोषजनक सेवा अभिलेख रहा, तो परिवीकाशीन अवधिक को सेवा से निकाला जा सकता है। परिवीकाशीन अवधि में उन्हें समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित प्रणाली प्राप्त करने पड़ सकते हैं और परीकार्य वेतनी पड़ सकती है।

3. सशस्त्र सेवा मुख्यालय आशुलिपिक सेवा में भर्ती किया गया ग्रेड ग का आशुलिपिक सामान्यतः सशस्त्र सेवा मुख्यालय और दिल्ली/नई दिल्ली स्थित अन्तर सेवा संगठन के किसी कार्यालय में नियुक्त किया जाएगा। वह दिल्ली/नई दिल्ली के बाहर अन्य स्थानों पर भी भी नियुक्त किया जा सकेगा जहाँ सशस्त्र सेवा मुख्यालय/अन्तर सेवा संगठन के कार्यालय स्थित होंगे।

4. ग्रेड ग में आशुलिपिक ग्रेड ख (वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक) के पदों पर पदोन्नति के लिए पात्र होंगे और ग्रेड ख आशुलिपिक (वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक) समय समय पर लागू किए गए नियमों के अनुसार ग्रेड क के आशुलिपिक (निजी सचिव) के रूप में पदोन्नति के पात्र होंगे।

5. छुट्टी चिकित्सा सहायता और सेवा की अन्य शर्तें वही हैं जो सशस्त्र सेवा मुख्यालय और अन्तर सेवा संगठनों में नियुक्त अन्य लिपिक वर्तीय कर्मचारियों के लिए लागू हैं।

### परिशिष्ट-III

#### उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

(केवल सामान्य अप्रेजी और सामान्य ज्ञान के लिए)

#### बहुत परक परीक्षण :

सामान्य अप्रेजी और सामान्य ज्ञान के प्रणन पर वस्तु परक किसी के बहु विकल्प उत्तर के होंगे। इस प्रकार की परीक्षा में आपको उत्तर फैलाकर मिलने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसकी आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर मिलते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसकी आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन सेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षण के बारे में कुछ जानकारी देना है जिसमें कि परीक्षण के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई जानि न हो।

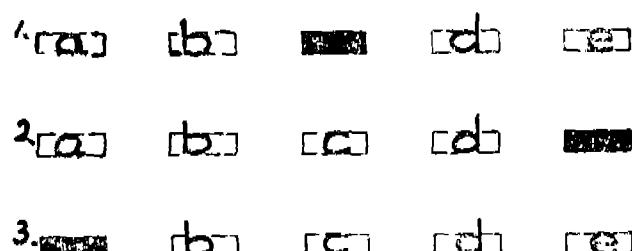
#### परीक्षा का स्वरूप :

प्रश्न पत्र “परीक्षण पुस्तिका” के रूप में होते हैं। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3... के क्रम में प्रश्न होते हैं। हर एक प्रश्न के नीचे a, b, c... क्रम में संभावित उत्तर लिखे होते हैं। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यवि एक से अधिक उत्तर सही है तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होता है। अन्त में विए गए नमूने के प्रश्न देख ल। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्न के लिए आपको एक ही उत्तर का चुनाव करना होता है। यवि आप एक से अधिक उत्तर चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

#### उत्तर देने की विधि :

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होते हैं। परीक्षा पुस्तिका में या उत्तर पुस्तिका को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जाँचि नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक (नमूना संलग्न) में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 200 तक चार लाठों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e के क्रम से प्रत्युत्तर लिये पढ़े होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाबत कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले चूने हुए आयत को वैसिल से काना बलाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि नीचे के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काना बनाने के लिए स्थानी का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



इस लिए जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किसी की एच० बी० पैसिल (पैसिलों) ही लाए और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. अगर आपने गलत नियान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का नियान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असाधारणी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट आदि पड़ जाएं और वह टेक्का हो जाए।

#### कुछ महत्वपूर्ण नियम :

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीम मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होता है और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करता होता।

2. परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा में प्रवेश नहीं किया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका परीक्षा भवन में बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। यदि आप इस नियम का उल्लंघन करें तो आपको कड़ा दण्ड मिलेगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नंबर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या गाफ-गाफ स्थानी से लिखें। उत्तर पत्रक पर कहीं भी आपको अपना नाम नहीं लिखना है। उत्तर पत्रक पर लाल स्थानी का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इसलिए संबंध है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर क्रम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संकेतिष्ठ है, तो उस प्रश्नांश के प्रति उत्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उसके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पैसिल, एक शार्पनर, एक रबड़ और नीली या कानी स्थानी बाली कलम भी लानी होती है। आपको परीक्षा भवन में कोई कल्पवा कागज या कागज का टुकड़ा, वैसाना या लेखन सामग्री नहीं लानी है क्योंकि उनकी जल्दत नहीं होती। कल्पवे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कल्पवा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा/परीक्षण क्र० नाम, अपना रोल नम्बर, परीक्षण का विषय और सारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाबत उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को बापत कर दें।

#### कुछ उपयोगी सुझाव :

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी महज़स्ती है कि आप अपने समय का, बहुत किफायत के साथ, उपयोग करें। सुलगन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, वहाँ, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिना न करें। आपको जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़े, उस पर समय ब्यर्बंध न करें। हमरे प्रश्नों की ओर वहाँ, और उस कठिन प्रश्नों पर बाबत में विचार करें।

3. सभी प्रश्नांशों के अंक समान होते हैं। आप सभी प्रश्नांशों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही उत्तरों की संख्या के आधार पर अंक दिए जाएंगे।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनके आपकी रसरण प्रक्रिया की अपेक्षा, जानकारी, सूझ-बूझ और विलेष-समस्या की परीक्षा हो। आपके लिए यह सामान्याक होता है कि आप संगत विषयों को एक बार सरसरी निगाह से देख लें और इस बात से आमंत्रित हो जाएं कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

#### विशेष अनुदेश :

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाबत निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण-पुस्तिका पर हाथिए में सील लगी होती है जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए। जैसे ही आपकी परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हो हूँई है और सील लगी हूँई है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संबंध खाने में अपनी परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होती है। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

#### परीक्षण का समाप्त :

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें।



(Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix I to the Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. (1) A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers Sub-Cadre).

(2) A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is not a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia shall be permitted more than three attempts at the examination but this restriction shall be effective from the examination held in 1962.

NOTE 1.—For the purpose of this rule, the examination will mean the Stenographers' Examination, the Stenographers (Released EC/SCC/Officers and ex-servicemen) Examination and the Stenographers' (ex-servicemen) Examination.

NOTE 2.—For the purpose of this rule a candidate shall be deemed to have made an attempt at the examination once for all the Services/posts covered by the examination, if he competes for any one or more of the Services/posts.

NOTE 3.—A candidate shall be deemed to have made an attempt at the examination if he actually appears in any one or more subjects.

NOTE 4.—Notwithstanding the disqualification/cancellation, the fact of appearance of the candidate at the examination will count as an attempt.

6. (A) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 18 years and must not have attained the age of 25 years on 1st January, 1980 i.e., he must have been born not earlier than 2nd January, 1955 and not later than 1st January, 1962.

(B) The upper age limit will be relaxable up to the age of 35 years in respect of persons who have been regularly appointed as Stenographers (including language Stenographers)/Clerks/Stenotypists in the various Departments/Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the offices of the Election Commission and the Central Vigilance Commission or in the Lok Sabha/Rajya Sabha Secretariat and have rendered not less than 3 years continuous service as Stenographer (including language Stenographer)/Clerk/Stenotypist on 1st January 1980 and continue to be so employed.

Provided that the above age relaxation will not be available to persons appointed as Stenographers on the basis of earlier examinations, held by the Union Public Service Commission in :—

- (i) Central Secretariat Stenographers' Service Grade C or
- (ii) Railway Board Secretariat Stenographer's Service Grade C or
- (iii) Indian Foreign Service (B) Grade II of the Stenographers' Sub Cadre, or
- (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service Grade C.

NOTE 1.—Service rendered by R.M.S. Sorters employed in Subordinate Offices of P. & T. Deptt. shall be treated as service rendered in the grade of Clerk for purpose of Rule 6(B) above.

NOTE 2.—Service rendered by Service clerks employed in Defence installations, shall not be counted for the purpose of Rule 6(B) above.

(C) The upper age limit in all the above cases, will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo Ceylon Agreement of October 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof;
- (x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services Personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force personnel disabled in operations during Indo Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof;

(xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof and who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes; and

(xiii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED ABOVE SHALL IN NO CASE BE RELAXED.

N.B.—(i) The candidature of a person who is admitted to the examination under the age concession mentioned in Rule 6(B) above shall be cancelled, if after submitting his application he resigns from service or his services are terminated by his department either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

(ii) A stenographer (including language Stenographer)/ Clerk/Stenotypist who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority, or who is transferred to another post but retains lien on the post from which he is transferred, will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

7. Candidates must have passed the Matriculation examination of any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School Course for the award of a School Leaving, Secondary School, High School or any other Certificate which is accepted by the Government of that State as equivalent to Matriculation certificate for entry into services.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2.—In exceptional cases, the Commission may treat a candidate who has got any of the qualifications prescribed in this rule, as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

8. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily-rated employees, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. Candidate must pay the fee prescribed in para 7 of the Commission's Notice.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or

- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses;

may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

13. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for inclusion in the Select List of Grade C of the Central Secretariat Stenographers Service upto the required number and, for appointment upto the number of unreserved vacancies in other services/posts decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for inclusion in the Select List of Grade C of the Central Secretariat Stenographers Service and for appointment to vacancies in other Services/posts irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14. Subject to other provisions contained in these Rules, due consideration will be given, at the time of making appointments on the results of the examination, to the preferences expressed by a candidate for various Services/posts at the time of his application (cf. col. 14 of the application form).

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for the appointments to the Service/post.

17. No person,

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the service. A candidate who after such medical examination as

may be prescribed by the competent authority is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

**NOTE.**—In the case of disabled ex-Defence Services personnel, a certificate of fitness granted by Demobilisation Medical Board of the Defence Services will be considered adequate for the purpose of appointment.

19. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination, are given in Appendix II.

K. B. NAIR, Under Secy.

#### APPENDIX I

1. The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

##### PART A—WRITTEN TEST

Subject	Time allowed	Maximum Marks
(i) General English	2 hours	100
(ii) Essay	2 hours	100
(iii) General Knowledge	2 hours	100

##### PART B—SHORTHAND TESTS IN HINDI OR IN ENGLISH (FOR THOSE WHO QUALIFY AT THE WRITTEN TEST).

300  
Marks

**NOTE.**—Candidates will be required to transcribe their shorthand notes on typewriters, and for this purpose they will be required to bring their own typewriters with them.

2. The papers in General English and General knowledge will consist of Objective Type questions, for details including sample questions please see Candidates' Information Manual at Appendix III.

3. The syllabus for the Written Test and the scheme of the shorthand Tests will be as shown in the Schedule to this Appendix.

4. Candidates are allowed the option to answer paper (ii) 'Essay' and paper (iii) 'General Knowledge' either in Hindi (Devanagari) or in English. The option will apply to complete papers and not to a part thereof and it should be the same for both the papers mentioned above.

Candidates exercising the option to answer the Essay paper in Hindi (Devanagari) may, if they so desire give English version within brackets of the description of the technical terms, if any, in addition to the Hindi version.

Candidates who opt to answer the aforesaid papers in Hindi (Devanagari) will be required to take the Shorthand Tests also in Hindi (Devanagari) only and candidates who opt to answer the aforesaid papers in English will be required to take the Shorthand Tests also in English only.

Question papers in Essay and General Knowledge will be set both in Hindi and in English.

**NOTE 1.**—Candidates desirous of exercising the option to answer paper (ii) Essay and paper (iii) General Knowledge, of the Written Test and take Shorthand Tests in Hindi (Devanagari), should indicate their intention to do so in col. 9 of the application form. Otherwise, it will be assumed that they will take the Written Test and Shorthand tests in English.

The option once exercised shall be treated as final, and no request for alteration in the said column shall be entertained.

**NOTE 2.**—Candidates who opt to take the shorthand tests in Hindi will be required to learn English stenography, and vice versa, after their appointment.

**NOTE 3.**—A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad and exercising the option to answer paper (ii) Essay and paper (iii) General Knowledge, and take the Stenography Test in Hindi in terms of para 4 above, may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

5. Paper (i) General English of the Written Test will be set in English only and it must be answered in English by all candidates.

6. Candidates who satisfy the minimum qualifying standard in the dictation at 120 words per minute will rank above the candidates who obtain the same standard in the dictation at 100 words per minute, persons in each group being arranged *inter se* in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate (cf. Part B of the Schedule below).

7. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write down answers for them.

8. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all subjects of the examination.

9. Only those candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written test as may be fixed by the Commission in their discretion will be called for shorthand test.

10. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

11. Deduction up to 5 per cent of the maximum marks for the written subjects will be made for illegible handwriting.

12. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in the paper on Essay for the examination.

#### SCHEDULE

##### PART A

###### *Standard and syllabus of the written test*

**NOTE.**—The standard of the question papers in Part A will be approximately that of the Matriculation examination of an Indian University.

**General English.**—The paper will be designed to test the candidates' knowledge of English Grammar and Composition and generally their power to understand and ability to write correct English. The paper may include questions on correct use of words; easy idioms and prepositions; direct and indirect speech etc.

**Essay.**—Candidates will be required to write essay on two topics. A choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion, and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

**General Knowledge.**—Some knowledge of the Constitution of India, Five Year Plans Indian History and Culture, general and economic geography of India, current events everyday science and such matters of everyday observation as may be expected of an educated person. Candidates' answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book.

##### PART B

###### *Scheme of Shorthand Tests*

The Shorthand Tests in English will comprise two dictation tests one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for ten minutes, which the candidates will be required to transcribe in 45 and 50 minutes respectively.

The shorthand tests in Hindi will comprise two dictation tests one at 120 words per minute for seven minutes and another at 100 words per minute for 10 minutes which the candidates will be required to transcribe in 60 and 65 minutes respectively.

#### APPENDIX II

###### *Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination*

###### A. The Central Secretariat Stenographers Service

The Central Secretariat Stenographers' Service has at present four grades as follows —

Grade A : Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Grade B : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade C : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—  
EB—25—800.

Grade D : Rs. 330—10—380—EB—12—500—FB—15—  
560.

Persons promoted from Grade B to Grade A are allowed a minimum pay of Rs. 775 in the scale. Persons promoted from Grade C are allowed a minimum salary of Rs. 710 in the scale.

(2) Persons recruited to Grade C of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by Government.

(3) On the conclusion of the period of probation Government may confirm the person concerned in his appointment or if his work or conduct in the opinion of Government has been unsatisfactory he may either be discharged from the Service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Persons recruited to Grade C of the Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Stenographers' Service Scheme. They may however at any time be transferred to any other such Ministry or office.

(5) Persons recruited to Grade C of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to Grade C of the Service in pursuance of their option for that service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment to any post included in the Cadre of the Indian Foreign Service (B) or the Railway Board Secretariat Service Scheme.

#### B. Indian Foreign Service (B)—Stenographers Sub-cadre

The Stenographers Sub-cadre of the I.F.S. (B) has at present four grades as follows :—

Selection Grade : Rs. 775—35—880—40—1000—EB—  
40—1200.

Grade I : Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—1040.

Grade II : Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—  
EB—25—800.

Grade III : Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—  
560.

(Persons promoted from Grade II are allowed a minimum salary of Rs. 710 in the scale).

2. Persons recruited to Grade II of the Service will be on probation for a period of two years. During this period they may be required to undergo such training and to pass such examinations as may be prescribed by the Government. On the conclusion of the period of probation if it is found that the work or the conduct of any of them, in the opinion of the Government has been unsatisfactory, he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

3. The officers appointed to Grade II of the S.S.C. of the I.F.S. (Branch 'B') will be governed by the I.F.S. Branch 'B' (RCSP) Rules 1962, I.F.S. (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to I.F.S. 'B' officers and such other rules and orders as may be made applicable to them by the Government of India.

4. The Indian Foreign Service Branch (B) is confined to the Ministry of External Affairs and Indian Missions abroad. The officers appointed to this service are normally not liable to transfer to other Ministries except the Ministry of Commerce. They are, however, liable to be posted abroad against the posts borne on the strength of other Ministries and also liable to be posted to International Commissions etc. They are liable to serve anywhere in India or outside India, including non-family stations.

5. During Service abroad IFS(B) officers are granted foreign allowance in addition to their basic pay at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during

service abroad in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961 as made applicable to IFS (B) Officers :—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government.
- (ii) Medical Attendance Facilities under the assisted Medical Attendance Scheme.
- (iii) Annual return air passage for children upto a maximum of two children between the ages of 8 and 21 studying in India or one child studying in India and one child in a country other than the country of the officer's posting abroad subject to certain conditions. If a Government servant has more than two children between ages of 8 and 21 studying in India, he shall have the option to send his wife to India during the vacation in lieu of two children visiting their parents abroad. In such a case the wife of the Government servant shall be entitled to return air passage by the cheapest class available.
- (iv) An allowance for the education of children upto a maximum of two children between the ages of 5 and 18 at rate prescribed by Government from time to time.
- (v) Outfit allowance in connection with service abroad in accordance with the prescribed rules and at rates fixed by Government from time to time. In addition to ordinary outfit allowance, special outfit allowance is admissible to officers posted in countries, where abnormally cold climatic conditions exist.
- (vi) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

6. Central Civil Services (Leave) Rules, 1972, as amended from time to time will apply to members of the service, subject to certain modifications. For service abroad, except in some neighbouring countries, officers are entitled to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent of leave admissible under the Central Civil Service (Leave) Rules, 1972.

7. While in India, Officers are entitled to such concessions as are admissible to other Central Government Servants of equal and similar status.

8. Officers of the IFS(B) are governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules 1960 as amended from time to time and by orders issued thereunder.

9. Officers appointed to this service are governed by the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, as amended from time to time and by orders issued thereunder.

#### C. Armed Forces Headquarters Stenographers Service

The AFHQ Stenographers' Service has at present, four grades as follows :

1. Grade A Stenographers (Private Secretary) Group B—Gazetted (Selection Grade).

Scale of pay—Rs. 650(\*775)—30—740—35—810—  
EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

Guaranteed minimum for those promoted from Grade B.

2. Grade B Stenographers (Senior Personal Assistants) Group B—Gazetted.

Scale of pay—Rs. 650 (@710)—30—740—35—880—  
EB—40—1040.

Guaranteed minimum for those promoted from Grade C.

3. Grade C Stenographers (Personal Assistants) Group B—Non-Gazetted.

Scale of pay—Rs. 425—15—500—EB—15—560  
20—700—EB—25—800.

4. Grade D Stenographers—Group C.

Scale of pay—Rs. 330—10—380—EB—12—500—  
FB—15—560.

2. Persons recruited direct as temporary stenographers' Grade C (Personal Assistants) will be on probation for a period of 2 years. Unsatisfactory record of service during

this period may result in discharge of the probationer from service. During probation, a member of the Service may be required to undergo such training and to pass such tests as the Government may from time to time, prescribe.

3. Stenographers' Grade C recruited to AFHQ Stenographers' Service will be generally posted to any office of the AFHQ and Inter Service Organisations located in Delhi/New Delhi. They will also be liable to be posted to such other stations outside Delhi/New Delhi, where office of AFHQ/IS Organisations may be located.

4. Stenographers' Grade C will be eligible for promotion to the post of Stenographers' Grade B (Senior Personal Assistants) and Stenographers' Grade B. (S.P.As) will be eligible for promotion to Stenographer Grade A (Private Secretary) in accordance with the rules in force from time to time.

5. Leave, Medical Aid and other conditions of service are the same as applicable to other ministerial staff employed in Armed Forces Headquarters and Inter Service Organisations.

### APPENDIX III

#### CANDIDATES INFORMATION MANUAL

[For General English and General Knowledge only]

#### OBJECTIVE TEST

The question papers on General English and General Knowledge will be of objective type—multiple choice answers. In this kind of test you do not write detailed answers. For each question (here-in after referred to as item) several possible answers are given. You have to choose one answer (here-in after referred to as response) to each item.

This manual is intended to give you some information about the test so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of test.

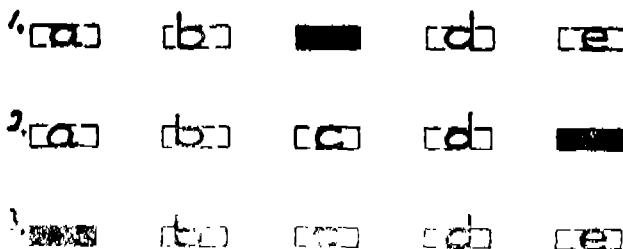
#### NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of test booklet. The booklet will contain items bearing number 1, 2, 3—etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, the best response. See sample question at the end. In any case in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

#### METHOD OF ANSWERING

A separate answer sheet will be provided to you in the Examination Hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the test booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet (specimen enclosed) numbers of the items from 1 to 200 have been printed in four sections. Against each item responses a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given responses is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with the pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



It is important that—

- You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.

2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.

3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

#### SOME IMPORTANT RULES

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.

2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.

4. After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERLY PENALIZED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**

5. Write clearly in ink the name of the examination test your Roll No., centre, subject and date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring an H.B. pencil, a pencil sharpener, an eraser and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap or rough paper, scales or drawing instruments into the examination hall, as they are not needed. A separate sheet will be provided to you for rough work. You should write the name of examination/test, your Roll number and subject of the test and date on it before doing your rough work and return it to the Supervisor alongwith your answer sheet at the end of the test.

#### SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal scores. Answer all the items. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you **UNDERSTAND** the subject thoroughly.

#### SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this the invigilator will give you the test booklet. Each test booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your test booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed; otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your test booklet on the relevant column of the answer sheet. You are not allowed to break the seal of the test booklet until you are asked by the Supervisor to break it.

**CONCLUSION OF TEST**

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop.

After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the test booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the test booklet and the answer sheet out of the examination hall.

### I. GENERAL ENGLISH GRAMMAR

**(a) Detecting Errors :—****Directions :**

In this section you must spot errors in sentence. Read each sentence to find out whether there is an error in any underlined part. Errors, if any, are only in the underlined parts. No sentence has more than one error. Letters a, b, c, d and e have been placed beneath the underlined parts for their identification. When you find an error in any one of the underlined parts (a, b, c, or d) indicate your response on the separate answer sheet in the relevant column. You may feel that there is no error in the sentence. In that case, letter a will signify a 'No error' response. Examples 1 & 2 have been solved for you.

1. He spoke *bluntly* and *angrily* to *we spectators*. *No*  
 a            b            c            d  
*error*  
 e

2. A *stadium* and a *swimming pool* are *going to be*  
 a            b            c  
 built on the *new* campus. *No error*  
 d            e

**Explanation**—In question No. 1, the word "we" is wrong. The letter under this part is "C". So "c" is the correct answer.

In question No. 2, the sentence is correct. Therefore, "e" is the correct response.

**(b) Correcting error :****Directions**

Look at the underlined part of each sentence. Below each sentence are given four possible substitutions for the underlined part. If one of them is better than the underlined part then indicate the letter of your response on the Answer Sheet. If none of the substitutions improve the sentence, then mark the rectangle with letter "e" on your Answer Sheet. Examples 3 and 4 have been solved for you.

3. A candle flame glares at the slightest breath of air.  
 (a) Sparkles  
 (b) Flickers  
 (c) Shines  
 (d) Glistens  
 (e) No change

(Answer—b)

4. The fruits which he took from the bazar *has made him* very sick.

(a) Could made him  
 (b) Caused him  
 (c) Could have made him  
 (d) Shall cause him  
 (e) No change

(Answer—c)

**COMPREHENSION****Directions**

In this part you have short passages. After each passage, you will find some questions based on what is *stated* or *implied* in the passage. First read a passage, and then answer the questions following that passage. Then go on

to the next passage. While answering the questions you can look back at the passage as often as you like. Examples 5 and 6 are solved for you.

**Passage**

At three in the morning the air-field becomes active. The lights are switched on along the runway. The motor-coach arrives with the outgoing passengers, some still dressed for the heat of Africa, some already sweating in their London suits. One or two men who had been lounging about in rather shabby shorts reappear in the hall wearing smart caps and tunics. Thereby the weedy little man who weighs the passenger's luggage reveals that he has had distinguished service in the Army. And thereby the willowy and supercilious young fellow who has been playing dice with Harry the barman turns out to be the Customs Officer.

(Adopted from "THE NEW STATESMAN")

(5) Who is the weedy little man?

(a) Soldier  
 (b) Consumptive  
 (c) African  
 (d) Passenger

(Answer—a)

6. The Customs Officer is :

(a) Harry the barman  
 (b) Supercilious young fellow  
 (c) Weedy little man  
 (d) A man in shabby shorts.

(Answer—b)

**CLOZE TEST****Passage**

Electricity is such a part of (7) everyday lives and so much taken (8) granted nowadays that we rarely think (9) when we switch on the light (10) turn on the radio.

**Questions**

Choose the most appropriate from among the following words which could fill the numbered gaps in the above passage.

(7) (a) his  
 (b) our  
 (c) my  
 (8) (a) for  
 (b) at  
 (c) by  
 (9) (a) only  
 (b) at  
 (c) twice  
 (10) (a) to  
 (b) or  
 (c) for

**ANSWER KEY****QUESTION****ANSWER**

7. (b)  
 8. (a)  
 9. (c)  
 10. (b)

**VOCABULARY**

(a) Similar words

**Directions** :—Each question consists of a word or phrase, followed by four words or phrases. Choose the correct word or phrase from the alternatives given, which is most nearly the same, in meaning, as the original word or phrase. For example,

11. boycott

(a) to accuse of wrongdoing  
 (b) withdraw from

- (c) refuse to deal with
- (d) keep silence

(Answer—c)

## 12. Integrity

- (a) good judgment
- (b) benevolence
- (c) honesty
- (d) fearlessness

(Answer—c)

## (b) Opposite words

**Directions**—In this section you are to choose the word or phrase which is most nearly opposite to the meaning of the first word or phrase.

## 13. Day

- (a) Year.
- (b) month
- (c) hour
- (d) night

**Explanation**—The opposite of the day is *night*, so letter (d) is the correct response.

## 2. GENERAL KNOWLEDGE

1. The sub-centred theory of the Universe was developed by

- (a) Galileo
- (b) Ptolemy
- (c) Newton
- (d) Copernicus

(Answer—d)

2. Which one of the following is not an organ of UNO?

- (a) Security Council
- (b) Trusteeship Council
- (c) International Monetary Fund
- (d) International Court of Justice,

(Answer—c)

3. Which one of the following causes is NOT responsible for the downfall of the Mauryan dynasty?

- (a) the successors of Asoka were all weak
- (b) there was partition of the Empire after Asoka.
- (c) the northern frontier was not guarded effectively
- (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)

4. In a parliamentary form of Government

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary
- (b) the Legislature is responsible to the Executive
- (c) the Executive is responsible to the Legislature
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c)

## DEPARTMENT OF SCIENCE &amp; TECHNOLOGY

New Delhi-110029, the 16th August 1979

## RESOLUTION

No.F. 20019/1/77-Admn.I.—Consequent on the acceptance of the resignation by Dr. Atma Ram of the Chairmanship of the National Committee on Science and Technology, the Government of India have decided that with effect from 7th August, 1979, Shri V. G. Rajadhyaksha, Member, Planning Commission, will look after the current duties of the Chairman, National Committee on Science and Technology, until permanent arrangements are made.

## ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Administration of the Union Territories, Ministries/Departments of the Government of India, Planning Commission, Railway Board, President's Secretariat, Vice President's Secretariat, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Office, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat and all the Members of the NCST.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. VENKATESH, Jt. Secy.

